

個人要事不免貽誤祈凡未填寫住址者應即到本課填寫爲要

Treasurer, Woo, Chi-jui. (吳啟祥)
Address: The First Dormitory, ti-ze, Number 4. (西齋地字四號)

北京大學日刊

The University Daily

第七百七十六號
(今日出版一版)

地址 北京大學第一院
電話 東局一千零七十二號
報費 每份銅元一枚每月自取一角五分
廣告費 每行每日收銀一元
本報地址 北京大學第一院

▲職員總務會議宣本挽
留馬夷初先生函件
▲第二十次總務委員會
記事
▲地質研究會茶話會記事
▲早災紀念日籌備會致義
勇員函

年假期內、自十二月二十五至一月八

日。(本刊照章停版、惟臨時增刊五次

；(十二月二十七、二十八。一月六、

七、八。)請本校各部、課、各會、社、

(稿件仍須出版前一兩日交來、)暨校

內外閱者、均注意！ 日刊課啟

北京大學教職員會總務會議主席

姚憾啓事

茲將迭囑挽留馬夷初先生函件登布於左

敬希 察覽並祝

台鑒

附送囑挽留馬夷初先生函件於後

恨吾先生：

昨天看見你的啓事。我想做事的人決難免疑謗

，要免疑謗只有不做事。夷初先生是明白的人

，豈不能見及此？若因爲一紙匿名傳單便辭職

，則昔日之我與今日之夢麟先生收到的匿名傳

單何止幾十？我因此寫信給你、望你勸夷初不

要辭職。 胡適。 九、十二、十

敬啓者馬夷初先生素爲同人所信託此次辭職應請

切實挽留以維公益而重會務幸甚幸甚願頌

台安

敬啓者

馬夷初先生熱心學務素所欽佩敬請

鼎力要求取消辭職是所至禱專此佈達

姚恨吾先生 大鑒

大示敬悉會事端賴

馬君維持若任其辭職必至渙散仍請設法挽留以資

進行無任禱盼此致

恨吾先生大鑒

弟劉少希頓首

恨吾先生：

閱日刊載：馬夷初先生避謗辭職等情。查夷初先

生年來爲本會事務不辭勞瘁、同人夙所欽仰。方

冀長資學訓、以謀本會會務之發展；何可因一二

人匿名之攻訐、遽萌退志、以快彼輩之意。務請

▲中華郵政特准掛號認爲新聞紙類

於救濟貧民意見(程振基)
出版界一瞥(郭祥麟)北京城裏小新聞(陳顯遠)
新詩談 談新詩第一集裏的詩 吳大猷

本月刊已出了四次特別號(一)婦女問題號第一卷
第四期(二)詩學研究號一卷第七八兩期(三)唯實
主義號一卷第十一期(四)法蘭西號第二卷第四期
(二卷第六期已出版)第八期出宗教問題號

- | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|-----|-----|-----|-----|----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|
| 周豐 | 陳式金 | 王道濟 | 王樹春 | 齊晉義 | 盛鑑 | 陳增祺 | 魏敬 | 李振華 | 程緒顯 | 東翊忠 | 滕統音 | 董光亨 | 金錫培 | 李維鈞 | 錢玄同 | 陳漢章 | 袁紹孫 | 吳之貴 | 劉又翰 | 鄭壽仁 | 盧恩 | 劉文典 | 田景 | 何炳松 | 李煜瀾 | 上烈 | 張乃燕 | 胡文耀 | 沈兼士 | 李景祿 | 項彥端 | 常福存 | 沈士遠 | 顧孟餘 | 曹懋謙 | 郝桂林 | 劉聘臣 | 胡景周 | 蔣夢麟 | 李大定 | 吳家瑞 | 李志全 | 費永泉 | 蘇甲榮 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 | 余慶銑 | 姜世昌 | 周自吾 | 周同煌 | 羅文 | 包開善 | 岳紹武 | 洪國棟 | 金韶音 | 趙增印 | 曹泰勳 | 傅濟濟 | 曾昭級 | 董霖 | 劉俊德 | 王建中 | 吳鍊 | 張碧泉 | 谷源瑞 | 馬福緒 | 董聯桂 | 徐之傑 | 譚澄 | 吳繼哲 | 周作人 |
|----|-----|-----|-----|-----|----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|----|-----|-----|-----|-----|-----|----|-----|-----|

末後為先生勸中國少年、努力學問、不要老落在日本島國の後邊。翁先生報告地質調查所の方針、希望與本校地質系提携并進、並設法幫助本會並且地質調查所、現正繪中國地圖：一種係百萬分之一、一種係六十萬分之一、不久當可出版。至十一時半、宣告散會。

●北京旱災紀念日籌備會致義勇員諸君公函

敬啟者此次北京舉行旱災紀念日 蒙諸君紛紛投効作募捐之義勇員實為我國學界服務社會空前之大舉動該日天氣惡劣寒風砭骨塵土飛揚而諸君仍復忍苦勇進手持瓦罐勸捐不懈旁觀之人莫不交口讚譽以為難能可貴自經此次募捐之後災民苦況必更深入人心而諸君抱愛人之心首倡率想以後各處城市聞風而起者正未有艾謹代受難之同胞向諸君申謝再者該日募捐俱經點收總數計共現洋七千八百五十九元零五分已派人移交國際統一救災總會矣專此敬候

學安
再啟者每校所募款數因收款時未能逐一記是以不能奉告尚祈原諒 北京旱災紀念日籌備會啟
九年十二月二十二日

改組北大學生會臨時委員會全體委員公啟

本月十九日選舉學生會委員、開票之結果僅得二

○庶務部收發課啟事

百三十七票、照章未得全體同學七分之四之投票、不能發生効力。此恐同人等辦理不善之所致、用特宣布辭職。請同學另舉幹材繼續辦理。總期學生會有成立之一日、以免本校團體渙散。再者前學生會所有款項文件物品等項、概未移交臨時委員會。至前在蔣夢麟先生處取用之三十元、除陸續用去二十五元外(詳賬保存何恩樞處)、所餘五元仍交回蔣先生。特此合併聲明。此致全體同學公鑒
九、十二、二十四。 成憲孟稿

●評論之評論社緊急啟事

本社屢接同學來信請求加入、除分別專函答復外、茲特將入社辦法公布於下：
凡本校同學投稿本誌、經本誌發表在以上者、得由本社約請加入、無須另人介紹。
再本誌係取絕對公開的態度、凡關於批評文學、無論屬何方面、只要有價值、本誌都願代為發表。

○平民教育講演團啟事

團員諸君公鑒：
本校於本日二十五日起照章放陽歷年假本團團員或有回家者或有事出京者團員既少則各處講演自難分配爰特自下至期日起於城市各處講演暫行停止三星期即希 諸君留意為荷
九、十二、二十三。

上星期日本團團員在外講演題目記錄
災荒與政治 章廷謙
北京社會 宋我眞
改造社會與我見 鍾少梅
國民統一與官僚統一
新加入本團團員又一位
章駿鈞君

○浙江同鄉諸先生均鑒

陳政啟事

茲因本屆同鄉會總會計已經舉出、除將帳據款項掃數移交外、特將經手帳目報告如次：
九年四月二十二日

收前總會計錢駿駿君移交結存 現洋十六元 銅元一百零枚五

四月二十六日

收陳時琳君交賑海道會費銅元七百三十枚 計

現洋三元正 銅元三百枚 銅元十六枚

五月六日

付同鄉錄印紙費(第一次)現洋十六元

付又 銅元百〇六枚

五月九日

收鍾鳴君交來錢振椿君特捐現洋二元

五月十四日

收會計課代扣公積金現洋二十元

付找清同鄉錄印紙費現洋十六元

五月二十日

付還會計課誤重扣道租現洋一元

○評論之評論

九月二十二日
付還胡維鵬君墊款現洋三元
此止計共收現洋四十一元 銅元四百二十一枚
付現洋三十六元 銅元一百零六枚
收付相抵計存現洋五元零銅元三百十五枚
(計合現洋七元銅元二十七枚)
十一月三十日
付毛 坤君秋季開會費現洋七元
付又 銅元二十七枚
十二月四日

收會計課本屆公積金現洋二十七元

收又 補扣李吳顧君上屆公積金現洋一元

付毛 坤君補要開會費現洋六元

此止收付相抵計存現洋二十二元正

十二月二十日抄

附白：政本屆當選幹事亦已辭去、自今日起、與幹事會完全脫離關係。

○張庚乾啟事

陝西同鄉公鑒、今讀校長布告內有呈請撤消本科費一層弟名亦在其列、查此事本末弟不惟始終未與、且亦絲毫未聞、列名由來、莫明其妙、為功為咎、概不負責、特此聲明。
十二月二十四日

北大陝西同鄉會公鑒、弟自被選為出席旅京陝西學生聯合會代表半載於茲無才而忙誤事良多殊深抱歉今已向該會辭職特此聲明
陳廷璠啟

少年中國月刊